

प्रेषक,

राधा रतूड़ी,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

आयुक्त,
खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अनुभाग-1

देहरादून : दिनांक 04 अगस्त, 2016

विषय :- वित्तीय वर्ष 2016-17 हेतु, अनुदान संख्या-25 के लेखाशीर्षक-4408 के अन्तर्गत अन्नपूर्ति योजना एवं खाण्डसारी शक्कर योजना हेतु धनराशि स्वीकृत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक सचिव वित्त, उत्तराखण्ड शासन के पत्र संख्या-847 / XXXVII(1)/2016, दिनांक-26.07.2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 में अनुदान संख्या-25 के लेखाशीर्षक-4408 के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में, अन्नपूर्ति योजना एवं खाण्डसारी शक्कर योजना हेतु, प्राविधानित धनराशि क्रमशः रू0 20000000.00 हजार (बीस अरब मात्र) एवं रू0 35000000.00 हजार (तीन अरब पचास करोड़ मात्र) की धनराशि संलग्न प्रपत्र के अनुसार आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं-

- 1- उपरोक्त मदों के अन्तर्गत आहरण एवं व्यय मासिक आधार पर, किश्तों में, वास्तविक व्यय/आवश्यकता के अनुरूप ही किया जायेगा एवं अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में, अधिकृत धनराशि से अधिक धनराशि कदापि व्यय नहीं की जायेगी एवं न ही अधिक व्यय भार सृजित किया जायेगा। अन्नपूर्ति योजना एवं खाण्डसारी शक्कर योजना के अन्तर्गत क्रय किये गये अन्न/शक्कर की बिक्री/हस्तांतरण की व्यवस्था कम से कम समय में की जायेगी एवं विक्रय/हस्तांतरण के उपरान्त धनराशि की प्राप्ति/प्रतिपूर्ति भी तत्काल सुनिश्चित करायी जायेगी।

- 2- उक्त स्वीकृत धनराशि से सम्बन्धित लेखे, व्यापार लेखा (ट्रेडिंग एकाउंट) के रूप में रखे जायें तथा प्रतिमाह ट्रायल बैलेंस तथा वित्तीय वर्ष की समाप्ति पर, लाभ-हानि लेखा बनाया जायेगा। गत वित्तीय वर्ष के व्यापार लेखा का तुलनात्मक एवं लाभ-हानि खाता शासन को तत्काल उपलब्ध कराते हुए, चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के संबंध में भी त्रैमासिक आधार पर ट्रायल बैलेंस और लाभ-हानि लेखा शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- 3- स्वीकृत धनराशि उसी मद में व्यय की जायेगी जिसके लिए धनराशि स्वीकृत की जा रही है। किसी भी दशा में, उक्त धनराशि का उपयोग, नई मदों के क्रियान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा।
- 4- स्वीकृत धनराशि को व्यय करते समय, वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्वेज रूल्स एवं मितव्ययिता के सम्बन्ध में शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- 5- स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय विवरण बी0एम0-13 पर नियमित रूप से शासन को आगामी माह के विलम्बतम 20 तारीख तक प्रत्येक दशा में उपलब्ध कराया जायेगा।
- 6- यह सुनिश्चित किया जाय कि स्वीकृत धनराशि को किसी ऐसे मद में व्यय नहीं किया जायेगा, जिसके लिए, वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो, उस स्थिति में व्यय से पूर्व सक्षम स्तर से स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय।
- 7- बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय एवं न ही पुनर्विनिर्धोग व अन्य माध्यम से, अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
- 8- आयोजनेत्तर पक्ष, बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर, बचत किया जाना सुनिश्चित किया जाय।
- 9- निर्वतन पर रखी जा रही धनराशि से, अनुदान मद में कोई व्यय नहीं किया जायेगा एवं यदि किसी प्रक्रियात्मक व्यवस्था के दृष्टिगत अनुदान मद का व्यय समायोजन योग्य शेष रहे तो उसका समायोजन तत्काल सुनिश्चित किया जाय।

10- कार्यक्रम के अन्तर्गत, राज्य गठन से, वित्तीय वर्ष 2015-16 तक के तुलन पत्र तथा लेखा, शासन को तत्काल उपलब्ध कराया जाय।

11- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय व्ययक के अनुदान संख्या-25 के लेखाशीर्षक-4408 खाद्य भण्डारण तथा भण्डागारण पर पूंजीगत परिव्यय-01, खाद्य-101, खरीद और पूर्ति-03, अन्न पूर्ति योजना-31, सामग्री एवं सम्पूर्ति तथा 800-अन्य व्यय-03 खण्डसारी शक्कर योजना-31 सामग्री एवं सम्पूर्ति के सुसंगत मदों के नामे डाला जायेगा।

संलग्नक-यथोपरि।

भवदीया,

(राधा रतूड़ी)
प्रमुख सचिव।

संख्या- 1114(V) / XIX-1 / 16-88 / 2011-टी0सी0 तददिनांक।

प्रतिलिपि-निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- निदेशक, कोषागार एवं वित्तीय सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 3- वित्त नियंत्रक, खाद्यायुक्त कार्यालय, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- ✓ 4- समन्वयक, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 5- वित्त विभाग-05/01, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- नियोजन अनुभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अनिल कुमार पाण्डे)
अनु सचिव।

8P